

यत्ति CAT. Br. 1, 6, 1, 3. ते जस्य गृहीः पशव उपमयमाणा इयुः 7, 3, 21. 4, 12, 4, 3, 2, 10. अमुररत्नमानि मयमानानि यत्ति 1, 1, 4, 14. उधो उत्क्रामत्य आयन् 9, 5, 1, 36. 10, 2, 3, 8. 14, 6, 9, 6 (= Bṛh. Âr. Up. 3, 9, 5). KĀTJ. Çr. 22, 4, 24. AIT. Br. 2, 13, 6, 8. mit einem instr.: गवामयनेनयुः sie waren beschäftigt mit KĀTJ. Çr. 25, 3, 2. अथ यदभ्राति यत्पिबति यदमते तदुपस-दैरेति ॥ अथ यदमति यज्जलति यन्मैथुनं चरति स्तुतशस्त्रैरेव तदेति ॥ KĀND. Up. 3, 17, 2, 3. — 10) erscheinen, sich darstellen, sein: वह्नानामि प्रथमो वह्नानामिमि मध्यमः unter vielen bin ich der erste, unter vielen der mittlere KATHOP. 1, 5. — 11) इत dessen man sich erinnert (स्मृत) MED. 1, 3. — intens. in folgenden Formen zu belegen: इये, इयेसे, इयेते, इयाते, इमहे, इयेते; इयमान, इयान् und इयान् (SV.); इयैद्यै; vgl. ई DĀTUP. 26, 3, 1. 1) eilend, wiederholt gehen, kommen, wandeln, laufen: मेर्यतु ते वक्रंये येभिरीयेते RV. 2, 37, 3. (रयः) गच्युरंश्चयुरीयेते 4, 31, 14. 5, 30, 1. 53, 1. VS. 4, 32. देवानां हूत इयेसे RV. 10, 137, 3. 2, 161, 1. संचत्ताणो भुव-ना देव इयेते 6, 58, 2. मातुर्न सीमुपं सृजा इयैद्यै 20, 8. vom Schall der ausgeht: अस्य श्लोका दिवोयेते पृथिव्याम् 4, 190, 4. गिरो विप्रवीरा इयाना द-धन्विरे 10, 104, 1. partic. इयमान 5, 30, 1. 10, 168, 3. AV. 14, 2, 17. 15, 1, 1. इयानैः राजा न सत्यः समीतीरियानः RV. 9, 92, 6. नावश्चरति स्वत्तिच इया-नाः VS. 10, 19. — 2) erscheinen, sich darstellen: संस्थे यदयं इयेसे रयी-णां देवो मर्त्यैर्मुनिर्गृह्यमानः RV. 5, 3, 8. इन्द्रो मायाभिः पुरुत्रप इयेते 6, 47, 18 (vgl. Bṛh. Âr. Up. 2, 3, 19). व्यानेदुना वाक्चनः शरीरेण त इयेते AV. 14, 8, 26. कालः स इयेते प्रथमो नु देवः 19, 52, 2. 34, 6. स इयेते ज्मता यत्र-कामं हिरण्यः पुरुष एकलेसः ॥ स्वप्रात उच्चावचमीयमानो ब्रूयाणि देवः कुरुते बहूनि Bṛh. Âr. Up. 4, 3, 12, 13. — 3) angehen, anflehen (mit dop- peltem acc.); erflehen: त्वामिमे भगम् RV. 2, 17, 7. तयो करयो यदीमेहे 4, 136, 4. 138, 3. 2, 32, 2. शंस्यं रायं इमेहे 34, 11. 4, 32, 17. वर्मानि द्ममीमेहे 4, 42, 10. AV. 4, 23, 1. 6, 36, 1. 18, 4, 61. ता इयानो महे वज्रमूतये (गृणा-मसि) RV. 2, 34, 14. 5, 63, 3. 7, 32, 3. सुष्टुतिर्वीमियाणा (इहे) 91, 2. 10, 20, 10. 47, 7. 67, 8. अयस इयानोत अन्महे 5, 22, 3. — 4) mit pass. Bed. angegangen, angefleht werden (mit dem acc. oder gen. der Sache); er- fleht werden: रयिर्विभीतिरीयेते वचस्या RV. 6, 21, 1. अयच्छुत्कर्ण इयेते वर्सनाम् 7, 32, 5. राजा मेधाभीरीयेते 9, 63, 16. स वत्सः कामं पीपरदियानः 2, 20, 4. मितनुभिर्नमस्यैरियाना 7, 93, 4. 17, 7. 29, 1. 38, 6. 68, 3. VĀLAKH. 2, 4. — In der klassischen Sprache ist इयेते pass.: इयेते जनयेति इत्या P. 3, 3, 99, Sch.; vgl. — अयि, — अयु, — सम्. — caus. von अय् Jmd durch Jmd kommen lassen: रत्नोऽस्यायत्कपिभिः Vor. 3, 5.

— अच्क् hinzugehen, sich nähern; mit dem acc.: अच्क्वा यान् रूपो धूम इति RV. 7, 3, 3. 10, 3. 36, 9. 8, 60, 10. 9, 106, 1. अच्क्वा इतोऽशतीरुशतः 10, 30, 2, 6. सा देवि देवमच्क्हेहि VS. 4, 20. अन्धा अच्क्हेतः 8, 54. अयिमच्क्हेनः 11, 16. 27, 14. AV. 3, 4, 3. अय यस्य राजानमच्क्हेत्वा नादरत इयुः CAT. Br. 12, 6, 1, 5. 3, 2, 4, 12. 6, 4, 2.

— अति 1) vorübergehen, verstreichen (von der Zeit): नात्येति कालो यज्ञस्य यथायं मम R. 1, 21, 19. अत्येति रजनी या तु सा न प्रतिवर्तते 2, 103, 17. — 2) überflüssig, überzählig sein: अथ या अष्टाविष्टका अतियत्ति CAT. Br. 8, 5, 3, 7. एतदरुत्येति यैदुपवत् 12, 2, 3, 16. 10, 1, 2, 8. 2, 3, 5. — 3) über Etwas hingehen, — wegschreiten: शयानमतिं यत्त्यापः RV. 4, 32, 8. 3, 43, 1. सामवे परिधीरति ता इहेहि 9, 107, 19. 69, 9. 72, 3. अर्ध-न्वान्यत्येत्वा उ 5, 83, 10. AV. 19, 33, 3. TS. 6, 4, 2, 3. eine bestimmte Ent-

fernung (acc.) überschreiten, hinter sich lassen: पट्टान्यतीत्य KĀTJ. Çr. 7, 6, 17. ततः परं जनस्थानात्क्रोशनात्रमतीत्य वै R. 3, 74, 7. स्तोत्रमन्तरम-तीत्य ÇĀk. 98, 8. einen Zeitraum überschreiten, verstreichen lassen: अ-तीत्यैकादशाहे तु नामकर्म तथाकरोत् R. 4, 19, 14. über eine Handlung hinweggehen, sie abmachen: अतीत्य निष्क्रमणम् KĀTJ. Çr. 1, 8, 25. über Jmd wegschreiten, für Jmd verstreichen (von der Zeit): नैनं सप्तम्यभि-क्षितातीयात् CAT. Br. 11, 3, 3, 7. तं वै संवत्सरो नानिजानानतीयात् 7, 1, 13. — 4) betreten (indem man eine Grenze oder eine Schwelle überschrei- tet): अदरेण च नातीयाद्गमं वा वेश्म वावृत्तम् M. 4, 73. सो ज्ञतः पुरमतीत्य R. 2, 34, 11. — 5) darüber hinausgehen, überholen, weiterreichen, über- schreiten, überragen: तद्वर्तते ज्ञानत्येति VS. 40, 4 (= Icor. 4). वाक्क मनश्चातीयेताम् möchten sich den Rang ablaufen TS. 2, 3, 11, 4. ज्येष्ठं त-न्नाभिमत्येति 10, 1, 1, 11. नैकशतमत्येति 13, 2, 1, 6. सत्यमतीत्य कुरितो कुरीश्च वर्तते वाजिनः ÇĀk. 6, 5. कुसीदवृद्धिद्विगुणं नात्येति M. 8, 151. — 6) siegreich überschreiten, überwinden: अतीयाम निदृष्टिरः स्वस्तिभिः RV. 5, 53, 14. 1, 9. इयिवांसमति चिदयः 3, 9, 4. ग्राहिं पाप्मानमति तानयाम AV. 12, 3, 18. कृतासुरान्यस उद्ध्येनानयाम CAT. Br. 14, 4, 1, 2, 3 (= Bṛh. Âr. Up. 1, 3, 1, 2). — 7) an Etwas vorüberschreiten, vorbeikommen, ver- meiden, nicht beachten: यो माभिच्छायमत्येति AV. 13, 1, 57. अतीतिं हि मन्युप्राविणम् RV. 8, 32, 2, 22. पुरा मूत्रयेतो जतीहि VS. 3, 61. अतिं मृ-त्युमेति 31, 18 (vgl. Çvetāçv. Up. 3, 8. 6, 15. PRAB. 109, 3). अत्येनं इति AV. 12, 2, 11. 18, 3, 17. CAT. Br. 1, 8, 1, 8. 13. 3, 6, 2, 20. 8, 2, 19. यथा वि-भ्यदमोषयतीयात् 12, 5, 2, 8. यो ज्ञानायपियासे शेकं मोहे ज्ञा मृत्युमत्ये-ति Bṛh. Âr. Up. 3, 3. भूतान्यत्येति पञ्च वै M. 12, 90. BHAG. 8, 28. 14, 20. अतीयात्सामोरे वेलां न प्रतिज्ञामहे पितुः R. 2, 112, 18. 5, 58, 9. न दिष्टम-धर्मत्येतुमीयो मर्त्यः कायं च न MBu. 3, 10746. अतीत्य हि गुणान्सर्वान्स्व-भावो मूर्ध्न वर्तते Hit. I, 18. ÇĀk. 143. देशं कालं च यो ज्ञातीयात् JĀG. 2, 193. न कालः कालमभ्येति (wohl अत्येति zu lesen) R. 4, 24, 6. — partic. अतीति 1) vergangen, verflissen, verstrichen AK. 3, 4, 80. 81. 5, 17. H. 50. 1341. M. 7, 178. 179. शैशवः 8, 27. अतीता शर्वरी R. 2, 67, 4. दिवसे PAÑKAT. 162, 4. BHATT. 7, 18. अतीतानि शीतानि P. 2, 1, 6, Sch. असनिवृत्तौ तदतीतम् ÇĀk. 137. अतीतवाक्ये काले N. 14, 35. अतीतभयः R. 6, 2, 37. अतीतलाभस्य सुरुतणार्थं भविष्यलाभस्य च संगमार्थम् PAÑKAT. II, 197. — 2) gestorben M. 5, 71. 9, 196. 197. JĀG. 2, 144. MBu. 1, 6335. gleichbe- deutend ist वयसातीतः R. 2, 53, 12. — 3) was man hinter sich gelassen hat, verlassen: अतीतनैके जितुः AK. 1, 2, 3, 14. — 4) über Etwas ge- schritten seiend: तान् (निर्विन्ध्याम्) अतीतस्य Megu. 30. — 5) der an Etwas vorübergeschritten oder vorbeigekommen ist, der Etwas vermei- den, nicht beachtet, versäumt hat; mit dem acc. oder in comp. mit dem obj. P. 2, 1, 24. दुःखमतीतः oder दुःखातीतः Sch. कैलिङ्गैस्त्रिगुणा-नतीतो भवति BHAG. 14, 21. न च कालमतीतं वा संचोदयति धर्मावित् R. 4, 28, 17. त्रिकालातीत MĀND. Up. 1. गुणातीत BHAG. 14, 25. मायातीत BĀ- LAB. 22. अमात्यानुपधातीतान् MBu. 13, 183. तदिदं मित्रकार्यं ते कालाती-तम् R. 4, 28, 16. प्रदक्षिणाक्रियातीतः RAGH. ed. Calc. 1, 77. mit dem abl.: वलादतीतो दुर्वलः Nir. 6, 28. lässig, säumig, mit dem loc.: कालसंग्रहे R. 4, 31, 8. — intens. darüber hinausgehen, überholen: आपाञ्चत्तणकर्मत-तव वाचमतीयेतं übertönt dein Wehgeschrei MBu. 2, 1473.